Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
17 December

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर

UPSC Syllabus Relevance:

- प्रारंभिक परीक्षा - जीएस पेपर 1 वर्तमान घटनाएं: राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

चर्चा में क्यों?

- टाइम मैगज़ीन ने 2024 में डोनाल्ड ट्रंप को "पर्सन ऑफ द ईयर" चुना, उनकी ऐतिहासिक वापसी, राजनीति पर प्रभाव और राष्ट्रपति चुनाव में जीत को मान्यता दी।
- उन्होंने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में उद्घाटन घंटी बजाकर यह सम्मान प्राप्त किया।

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदु:

- टाइम मैगज़ीन ने डोनाल्ड ट्रंप को "पर्सन ऑफ द ईयर" घोषित किया, यह कहते हुए कि "शायद ही कोई अन्य व्यक्ति राजनीति और इतिहास के पाठ्यक्रम को बदलने में ट्रंप से अधिक भूमिका निभा सका है।"
- बयान में कहा गया कि ट्रंप, जिन्होंने पिछले महीने के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया, अपने "शिखर" पर पहुंच गए हैं।

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदु:

- करीब छह महीने पहले, ट्रंप को न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक अदालत में दोषी ठहराया गया था, जिससे वह अपराधी करार पाने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बने।
- वे उसी अदालत के पास न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग के उद्घाटन की घंटी बजाएंगे, जब उन्हें टाइम मैगज़ीन द्वारा 2024 का पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया गया।

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदु:

- यह सम्मान ट्रंप के न्यूयॉर्क के साथ उनके जटिल संबंधों और उनके राष्ट्रपति पद से बाहर होने के बाद अस्वीकृति झेलने से लेकर, नवंबर में व्हाइट हाउस के लिए निर्णायक जीत हासिल करने तक की असाधारण वापसी को दर्शाता है।

Businessman
↓
अमेरिका का
व्यक्ति

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदु:

- टाइम के मुख्य संपादक सैम जैकब्स ने NBC के "टुडे" शो पर घोषणा करते हुए कहा कि ट्रंप ने 2024 में "चाहे अच्छा हो या बुरा, समाचारों पर सबसे अधिक प्रभाव डाला।"

2016 में टाइम पर्सन ऑफ द ईयर रह चुके हैं

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदुः

- ट्रंप 2016 में भी टाइम के "पर्सन ऑफ द ईयर" रह चुके हैं, जब वे पहली बार व्हाइट हाउस पहुंचे थे। इस साल वे उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, X के मालिक एलन मस्क, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और केट, प्रिंसेस ऑफ वेल्स जैसे प्रमुख नामों के साथ फाइनलिस्ट थे।

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदु:

- पिछले साल, 2023 के "पर्सन ऑफ द ईयर" का अनावरण करते हुए, कंपनी की सीईओ जेसिका सिबली ने NYSE की उद्घाटन घंटी बजाई थी, और वह सम्मान गायिका टेलर स्विफ्ट को दिया गया था।
- NYSE नियमित रूप से मशहूर हस्तियों और व्यापारिक नेताओं को सुबह 9:30 बजे की उद्घाटन ट्रेडिंग सेरेमनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

Result Mitra

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर - 2024

प्रमुख बिंदुः

- गुरुवार को ट्रंप पहली बार इस समारोह में भाग लेंगे, जो संस्कृति और राजनीति में एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया है।

Result Mitra

टाइम मैगज़ीन

स्थापना:

- टाइम मैगज़ीन की स्थापना 3 मार्च 1923 को अमेरिका में ब्रिटन हेडन और हेनरी लूस ने की थी। यह दुनिया की पहली साप्ताहिक समाचार पत्रिका मानी जाती है।

प्रकाशन:

- यह पत्रिका मुख्य रूप से न्यूयॉर्क शहर से प्रकाशित होती है और इसे दुनिया भर में पढ़ा जाता है।

टाइम मैगज़ीन

विषय क्षेत्र:

- टाइम मैगज़ीन राजनीति, व्यापार, विज्ञान, मनोरंजन, स्वास्थ्य, तकनीक और संस्कृति से संबंधित खबरों और लेखों को कवर करती है।

टाइम मैगज़ीन

प्रसिद्ध सूची:

- "पर्सन ऑफ द ईयर" हर साल उस व्यक्ति को नामित किया जाता है जिसने वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा प्रभाव डाला, चाहे सकारात्मक या नकारात्मक।
- "टाइम 100" वार्षिक सूची, जिसमें दुनिया के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों को शामिल किया जाता है।
- "बेस्ट इन्वेंशन्स" और "100 मोस्ट इन्फ्लुएंशियल फोटोज़" जैसी अन्य विशेष सूची भी प्रकाशित की जाती है।

टाइम मैगज़ीन

स्वामित्व:

- शुरुआत में स्वतंत्र रूप से संचालित, 2018 में इसे मार्क बेनिऑफ (Salesforce के सह-संस्थापक) और उनकी पत्नी लिने बेनिऑफ ने खरीदा।

वर्तमान स्वरूप:

- टाइम अब केवल प्रिंट में ही नहीं, बल्कि डिजिटल और मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। इसकी वेबसाइट और मोबाइल ऐप्स से बड़ी संख्या में पाठक जुड़ते हैं।

टाइम मैगज़ीन

प्रभाव:

- यह पत्रिका दुनिया की सबसे प्रभावशाली मीडिया ब्रांड्स में से एक मानी जाती है। इसके विशेषांक और कवर स्टोरीज अक्सर अंतरराष्ट्रीय चर्चाओं का विषय बनते हैं।

भाषा और संस्करण:

- यह मुख्य रूप से अंग्रेजी में प्रकाशित होती है, लेकिन समय-समय पर विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों में इसके विशेष संस्करण भी जारी किए जाते हैं।

टाइम मैगज़ीन

प्रसिद्ध कवर:

- इसके कवर पेज पर अक्सर दुनिया के प्रमुख नेताओं, कलाकारों, वैज्ञानिकों और महत्वपूर्ण घटनाओं को स्थान मिलता है।

आलोचना और विवाद:

- टाइम कभी-कभी अपनी कवर स्टोरीज़ और नामांकनों के कारण आलोचना का शिकार भी हुई है।

लोकप्रियता:

- यह पत्रिका वैश्विक स्तर पर लाखों पाठकों के बीच प्रसिद्ध है और पत्रकारिता की एक प्रतिष्ठित पहचान मानी जाती है।

Result Mitra

FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024

UPSC Syllabus Relevance:

- प्रारंभिक परीक्षा - जीएस पेपर 1 वर्तमान घटनाएं: राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व

Result Mitra

FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024

चर्चा में क्यों?

- FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 के समापन समारोह में, 18 वर्षीय गुकेश डोमराजू ने गैरी कास्परोव, मैग्नस कार्लसन और व्लादिमीर क्रामनिक जैसे शतरंज के दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

Result Mitra

FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024

प्रमुख बिंदु:

- गुकेश ने गुरुवार को डिंग लिरेन के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सबसे कम उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया।
- फाइनल गेम में, डिंग लिरेन ने तब बड़ी गलती की, जब मुकाबला टाईब्रेक तक जाने की ओर बढ़ रहा था। इस गलती ने उन्हें गेम, मैच और ताज तीनों से वंचित कर दिया।

Result Mitra

FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024

प्रमुख बिंदु:

- गुकेश ने ओपनिंग चरण में नई चालें आज़माकर डिंग से कठिन सवाल पूछे और अंततः उन्हें मात दी।

Result Mitra

FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024

प्रमुख बिंदु:

- पांच घंटे तक चले एंडगेम के दौरान, गुकेश की दृढ़ता ने डिंग को दबाव में ला दिया, जिससे वह निर्णायक गलती कर बैठे।
- पूरे चैंपियनशिप में डिंग लिरेन समय के दबाव में रहे। 23वीं चाल के बाद, डिंग के पास गुकेश से 23 मिनट कम समय बचा था।

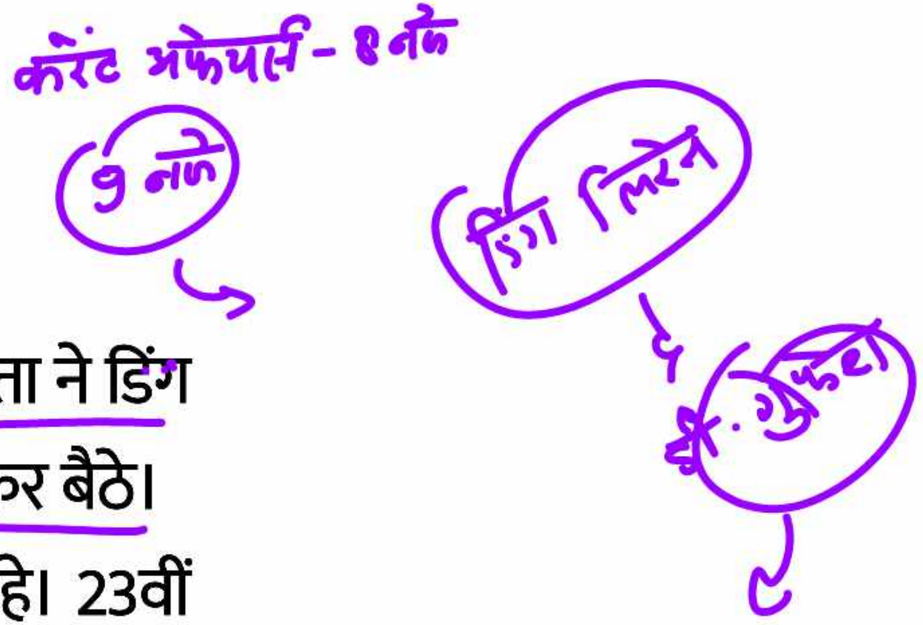

शतरंज

- शतरंज, एक रणनीति आधारित खेल, सातवीं शताब्दी के भारत में "चतुरंग" नामक खेल से उत्पन्न हुआ।
- आधुनिक शतरंज के नियम 15वीं शताब्दी में यूरोप में विकसित हुए और 19वीं शताब्दी के अंत तक सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किए गए।

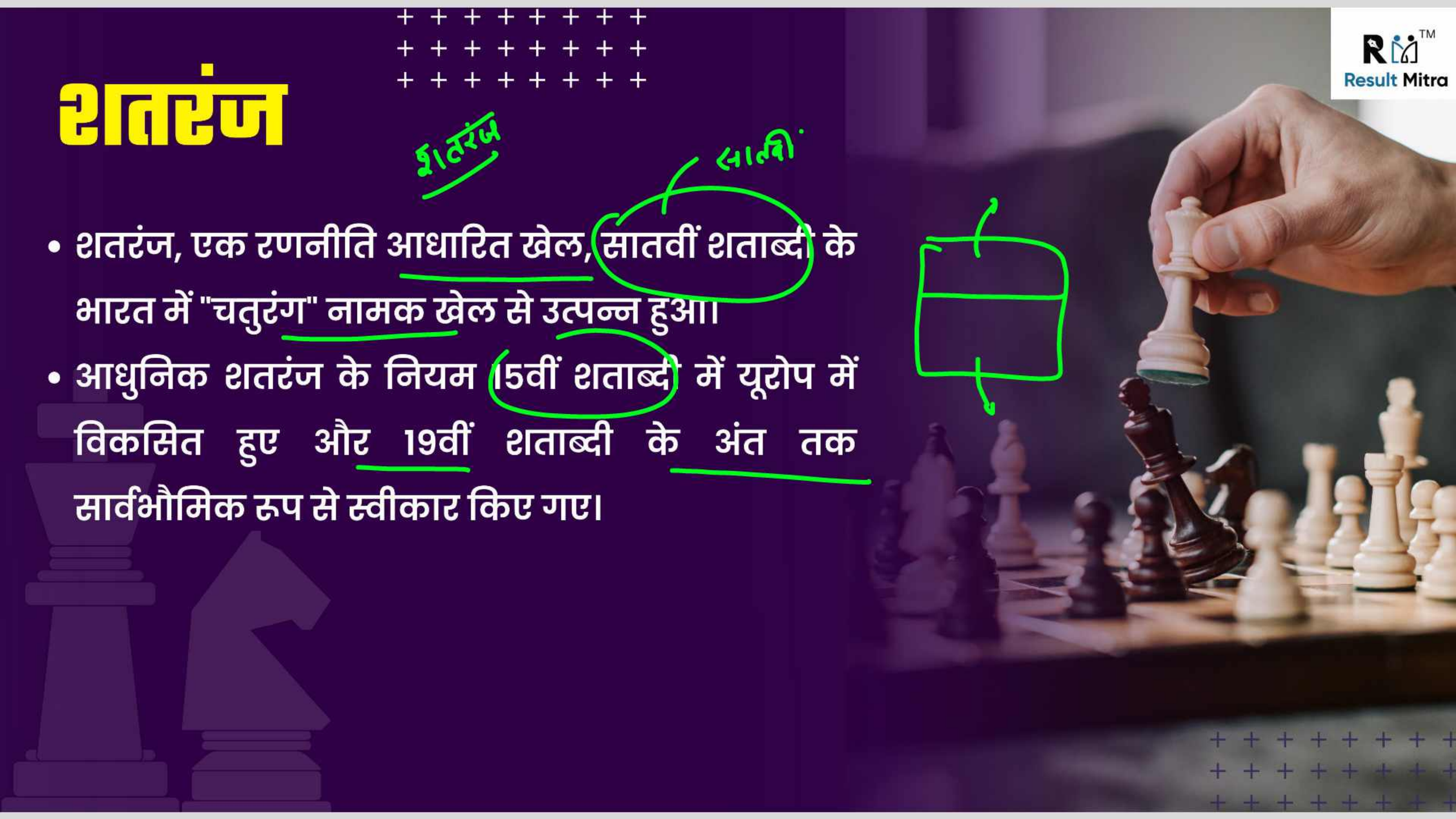

Result Mitra

शतरंज

खेल का तरीका

- शतरंज 8x8 की बिसात पर खेला जाता है, जहां प्रत्येक खिलाड़ी के पास 16 मोहरे होते हैं, जिनमें राजा, रानी, हाथी, ऊंट, घोड़े और प्यादे शामिल होते हैं।
- उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी के राजा को शह और मात देना है, जिससे वह बचाव करने में असमर्थ हो।

Result Mitra

शतरंज

अंतरराष्ट्रीय संचालन

- शतरंज प्रतियोगिताओं का संचालन FIDE (फेडरेशन इंटरनेशनेल डेस एचेक्स) द्वारा किया जाता है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ कहा जाता है।
- विश्व शतरंज चैंपियनशिप, जो शतरंज प्रतियोगिताओं का शिखर है, 1886 से आयोजित की जा रही है। वर्तमान चैंपियन डिंग लिरेन हैं।

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)

- अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ, जिसे FIDE कहा जाता है, स्विट्जरलैंड में स्थित एक संगठन है जो राष्ट्रीय शतरंज संघों को जोड़ता है और अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं का संचालन करता है।
- FIDE की स्थापना 20 जुलाई 1924 को पेरिस, फ्रांस में हुई थी और इसका मुख्यालय वर्तमान में लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड में है।

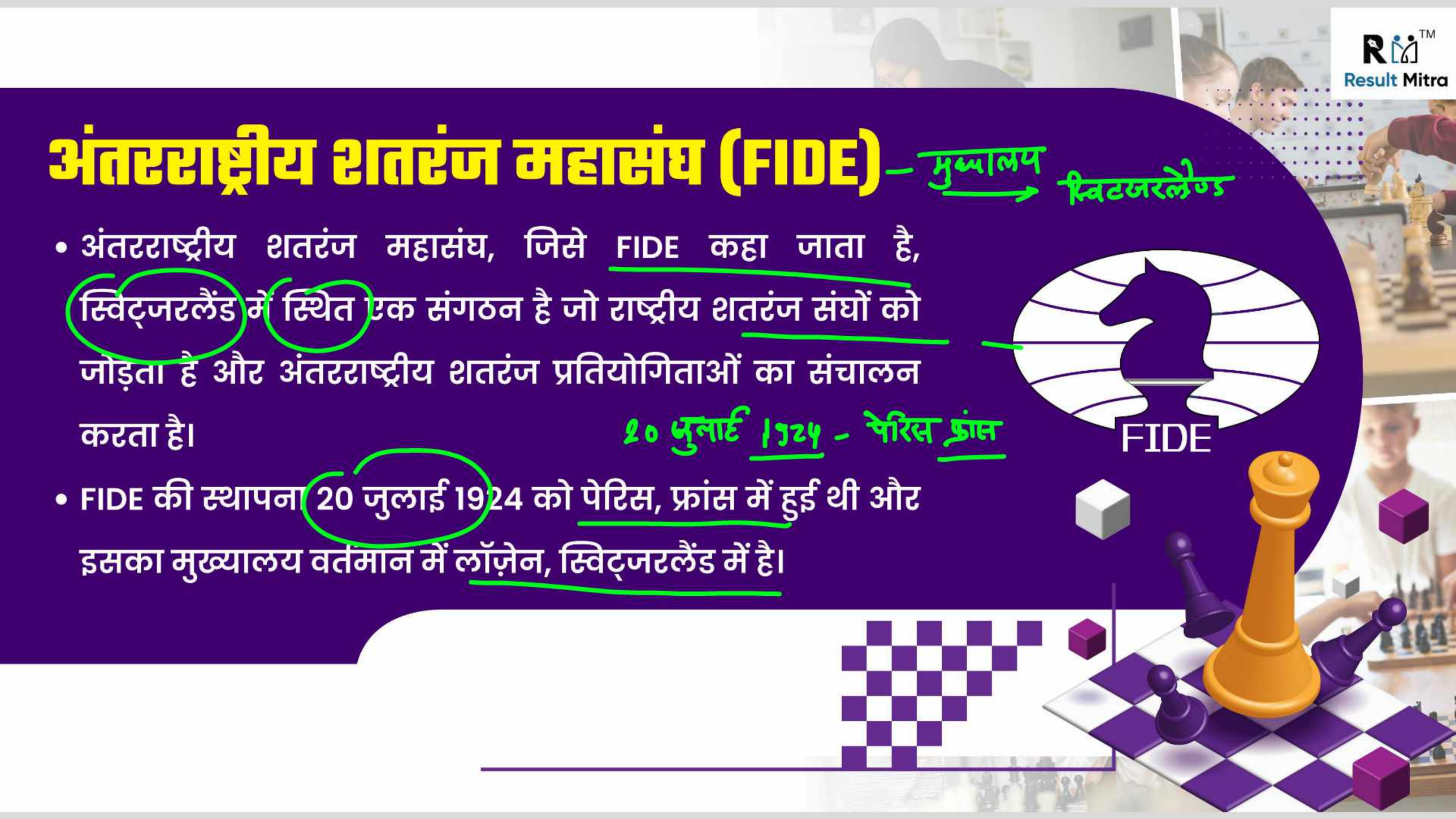

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)

- इसका आदर्श वाक्य है Gens una sumus (लैटिन में "हम एक परिवार हैं")।
- 1999 में, FIDE को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा मान्यता प्राप्त हुई।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)

- यह फुटबॉल, क्रिकेट, तैराकी और ऑटो रेसिंग के साथ सबसे पहली अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों में से एक है।
- 21 दिसंबर 2023 तक FIDE में 201 सदस्य संघ शामिल हैं।

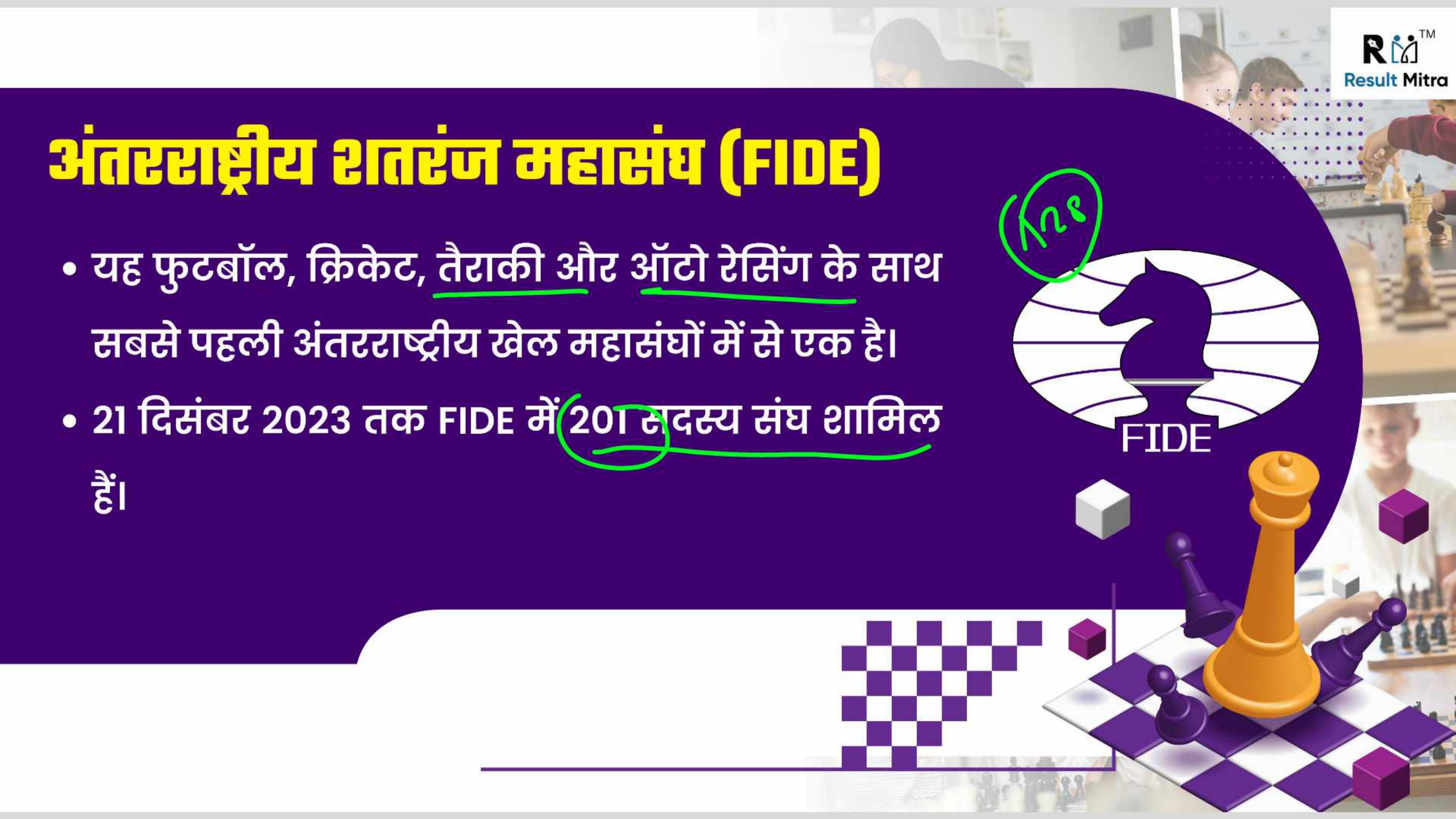

FIDE विश्व कप

- FIDE विश्व कप 2000 में स्थापित हुआ और 2005 से यह 128 खिलाड़ियों का नॉकआउट टूर्नामेंट है।
- यह विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए पात्रता का एक महत्वपूर्ण चरण है।
- इसमें 7 राउंड के "मिनी-मैच" होते हैं, प्रत्येक में 2 गेम होते हैं, जिसमें टाई की स्थिति में रैपिड और ब्लिट्ज टाईब्रेक शामिल होते हैं। फाइनल में 4 गेम और फिर टाईब्रेक होते हैं।

Result Mitra

FIDE विश्व कप

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

- FIDE ने 1950 से कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का आयोजन किया है, जो विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए चुनौतीकर्ता निर्धारित करता है।
- यह विश्व चैंपियनशिप चक्र का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है।

Result Mitra

FIDE विश्व कप

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

- विजेता मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ चैंपियनशिप मैच खेलता है।
- यह ऐतिहासिक रूप से 1992 तक हर तीन साल में आयोजित होता था और 2013 से यह 2-वर्षीय चक्र का अनुसरण करता है।

Result Mitra

FIDE विश्व कप

विश्व शतरंज चैंपियनशिप

- यह शतरंज में विश्व चैंपियन को निर्धारित करती है।

Result Mitra

तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन

UPSC Syllabus Relevance:

- प्रारंभिक परीक्षा - जीएस पेपर 1 वर्तमान घटनाएं: राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व

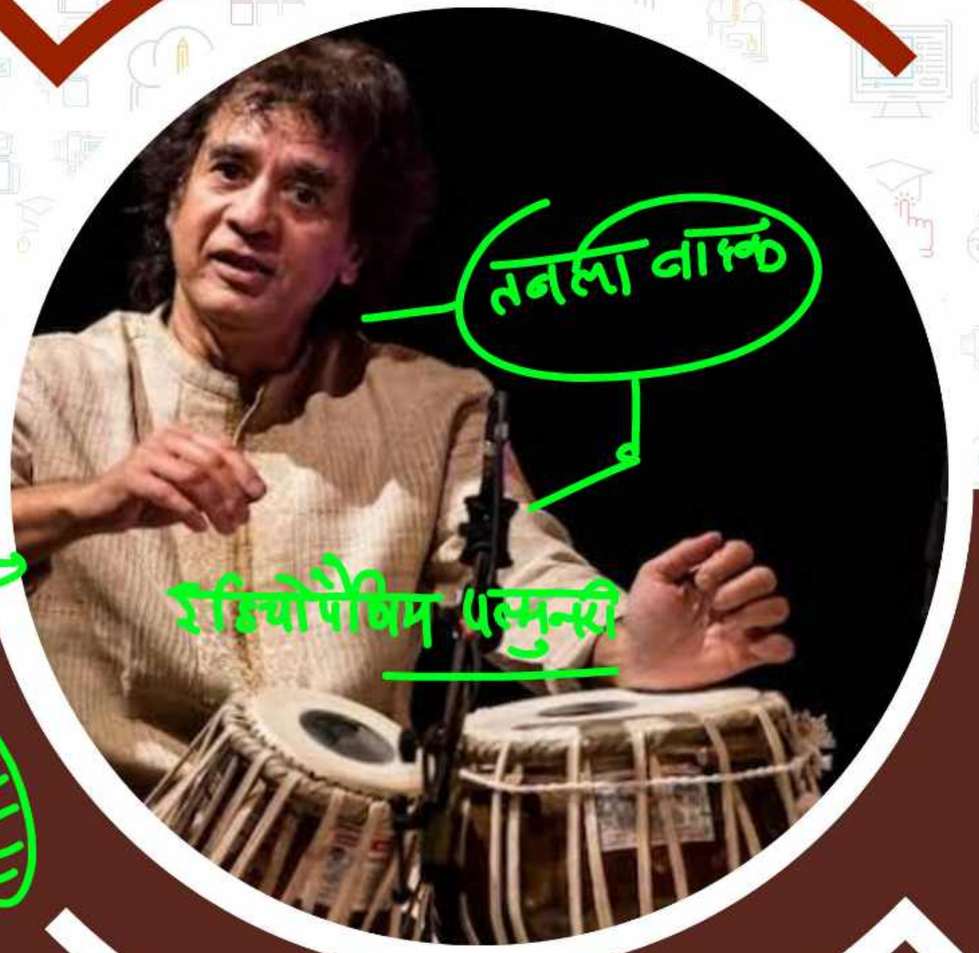

Result Mitra

तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन

प्रमुख बिंदु:

- प्रसिद्ध तबला वादक ज़ाकिर हुसैन का 73 वर्ष की आयु में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया।
- उनके परिवार के अनुसार, ज़ाकिर हुसैन का निधन इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस नामक जटिल बीमारी के कारण हुआ।

Result Mitra

तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन

प्रमुख बिंदु:

- वे पिछले दो हफ्तों से अस्पताल में भर्ती थे और स्थिति बिगड़ने पर उन्हें ICU में स्थानांतरित किया गया था।

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

परिचय

- इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF) एक गंभीर और क्रॉनिक फेफड़ों की बीमारी है।
- यह फेफड़ों के एयर सैक्स (अल्वियोली) के आसपास के ऊतकों को मोटा और सख्त बना देती है।
- समय के साथ, यह स्थायी निशान (फाइब्रोसिस) बना देती है, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है।

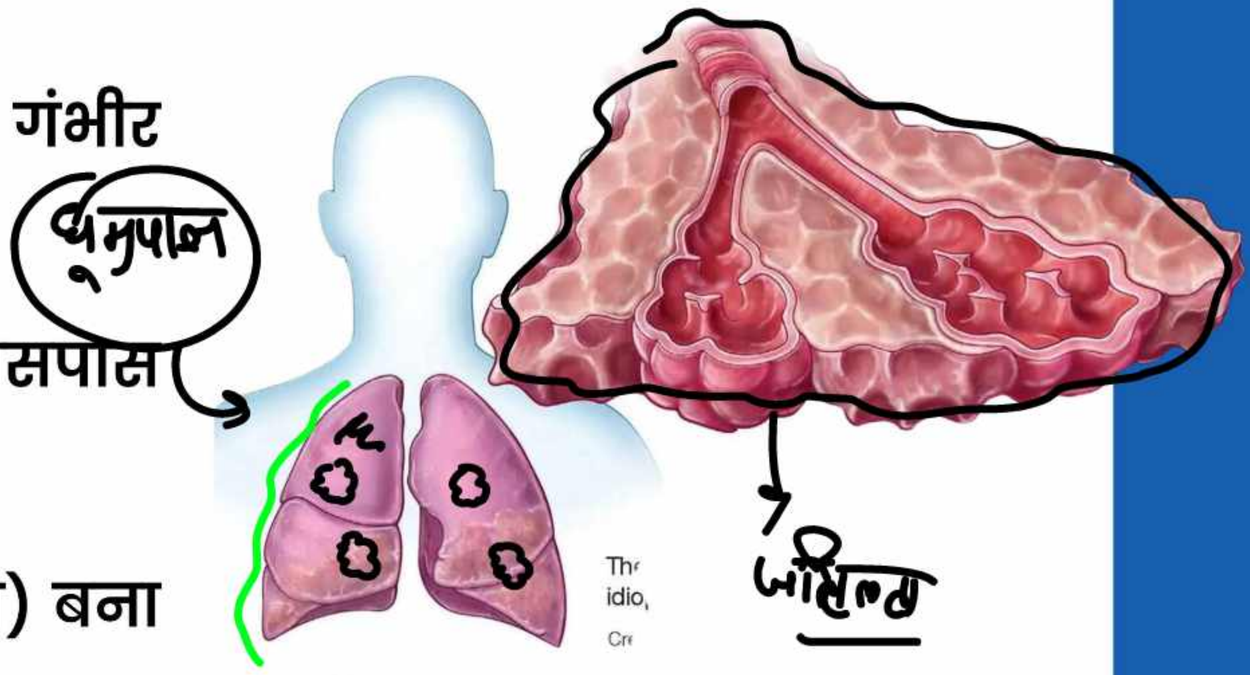

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

कारण

- फेफड़ों में बार-बार क्षति और उपचार चक्र के दौरान ऊतक में निशान बनते हैं।
- हालांकि, इन परिवर्तनों के कारण अज्ञात हैं।
- स्वस्थ फेफड़ों में ऑक्सीजन आसानी से अल्वियोली की दीवारों से रक्त में जाती है, लेकिन IPF में ये दीवारें मोटी हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन का प्रवाह बाधित होता है।

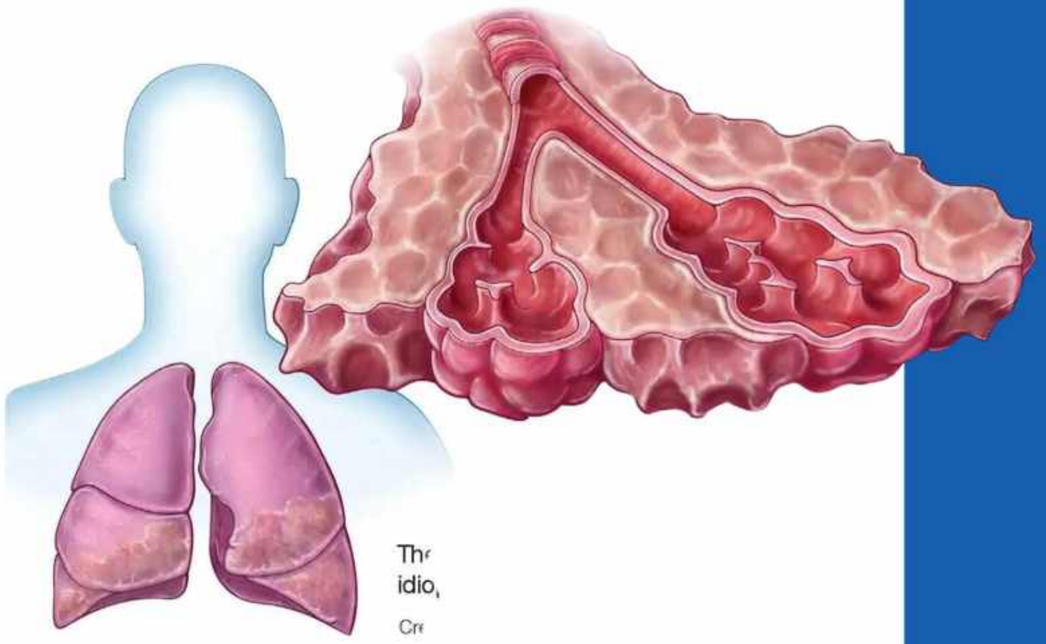

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

जोखिम कारक

- उम्र: 60-70 वर्ष की उम्र के लोगों में यह बीमारी अधिक पाई जाती है।
- लाइफस्टाइल: धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों में इसका खतरा अधिक होता है।
- लिंग: यह पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक आम है।

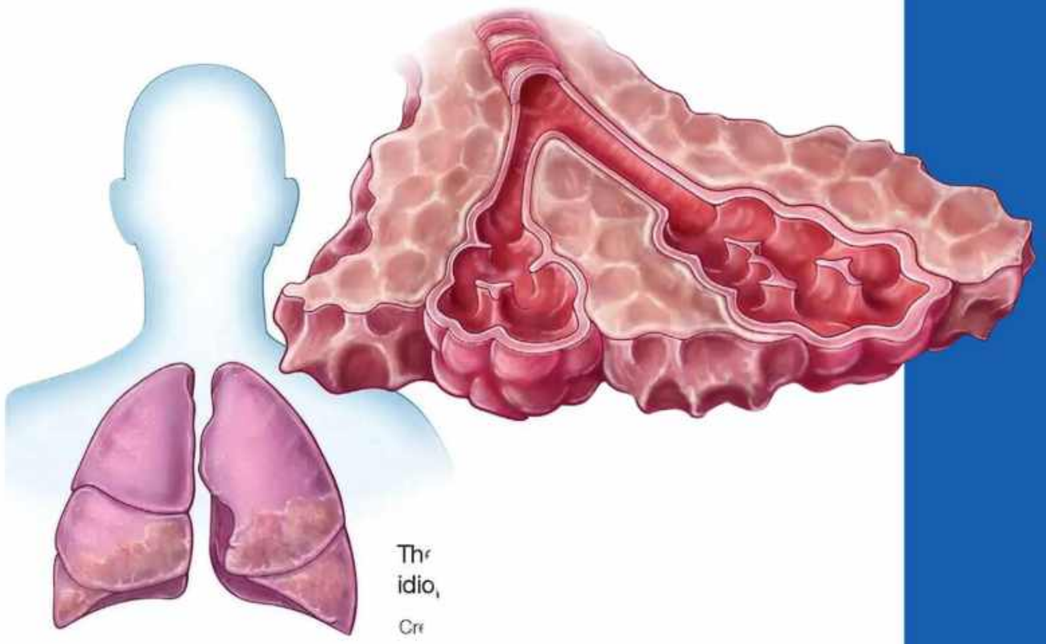

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

जोखिम कारक

- उम्र: 60-70 वर्ष की उम्र के लोगों में यह बीमारी अधिक पाई जाती है।
- लाइफस्टाइल: धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों में इसका खतरा अधिक होता है।
- लिंग: यह पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक आम है।

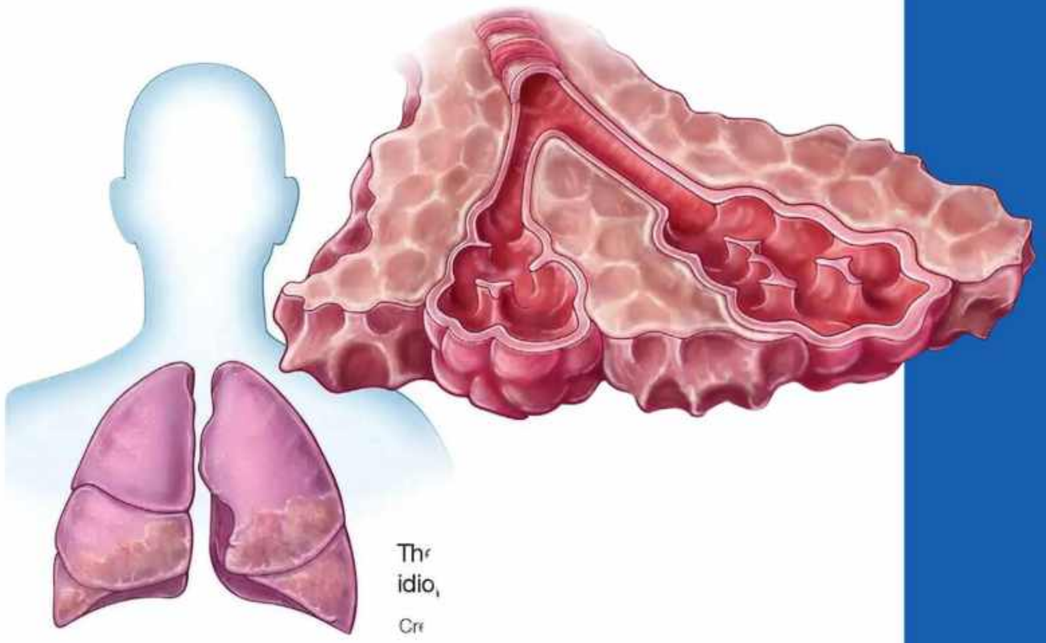

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

जोखिम कारक

- पारिवारिक इतिहास और जीन: जिन व्यक्तियों के परिवार में यह बीमारी है, उनके इसका जोखिम अधिक होता है।
- कुछ जीन म्यूटेशन IPF के रोगियों में आम होते हैं, जो फेफड़ों के स्वस्थ कार्यों के लिए आवश्यक पदार्थ बनाने में मदद करते हैं।

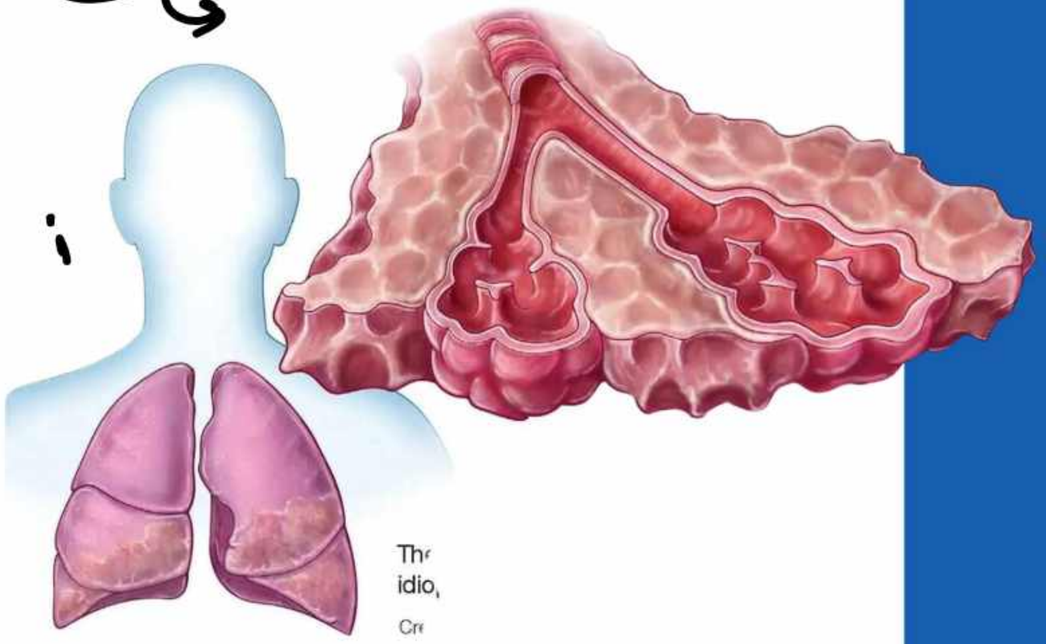

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

लक्षण

- सांस की कमी, खासकर सक्रिय रहते समय, और बाद में आराम की स्थिति में भी।
- लंबे समय तक सूखी खांसी।
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द।
- कमजोरी या थकावट महसूस करना।
- बिना किसी प्रयास के धीरे-धीरे वजन कम होना।

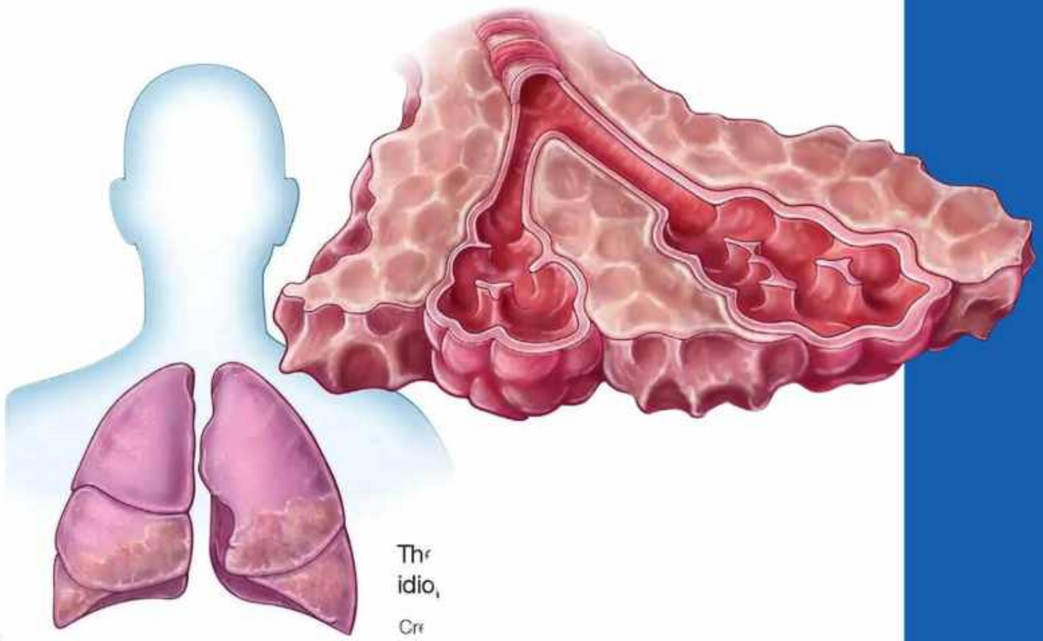

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

उपचार

दवाएं:

- Nintedanib और Pirfenidone फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार और बीमारी को धीमा कर सकती हैं।
- Antacids फेफड़ों में एसिड के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकती हैं।

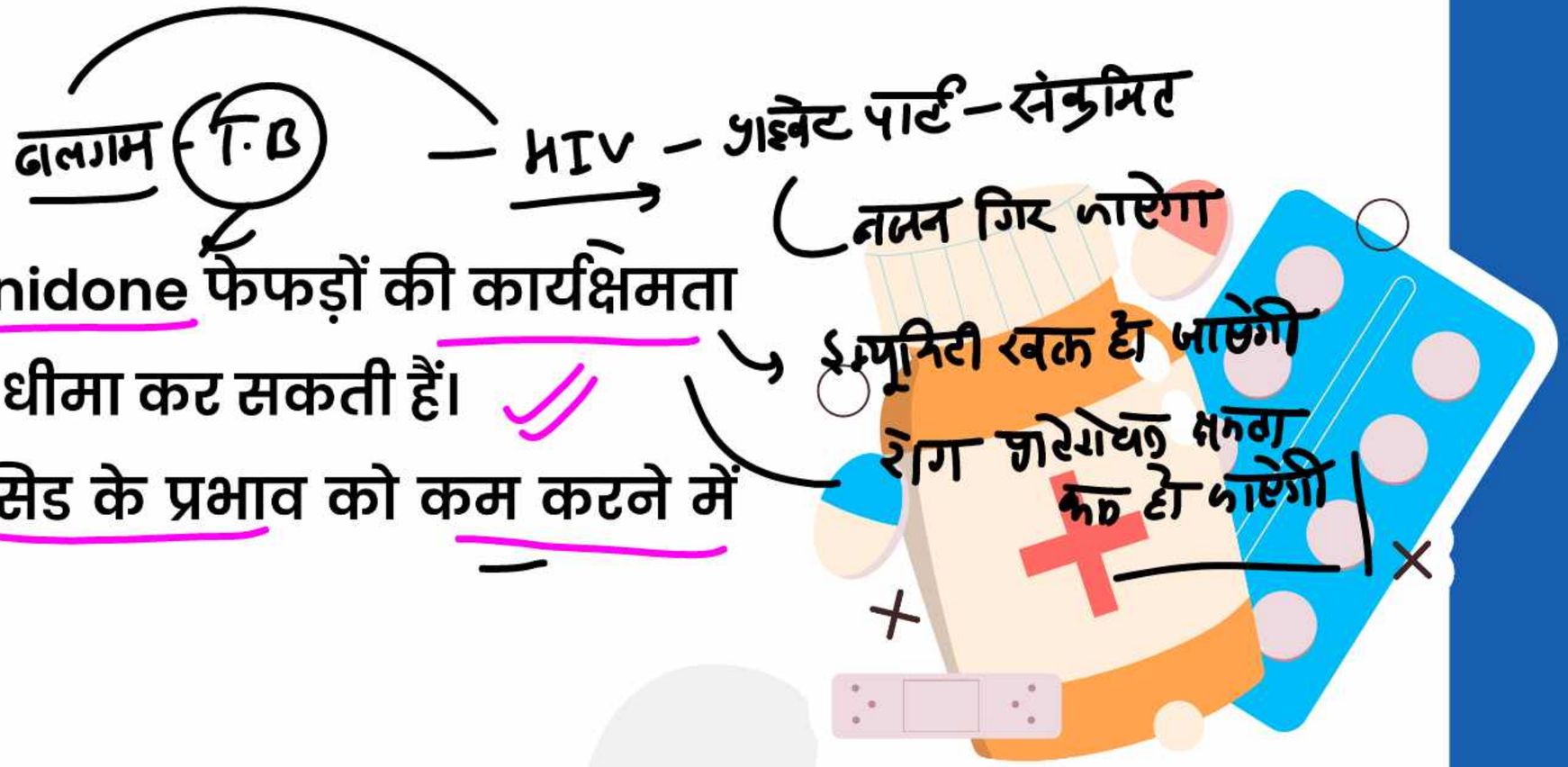

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

अन्य उपचार

- ऑक्सीजन थेरेपी सांस लेने में सहायता करती है।
- वेंटिलेटर समर्थन से भी मदद मिल सकती है।
- कुछ मामलों में, फेफड़ों का प्रत्यारोपण किया जा सकता है, हालांकि यह जटिलताओं का कारण बन सकता है।

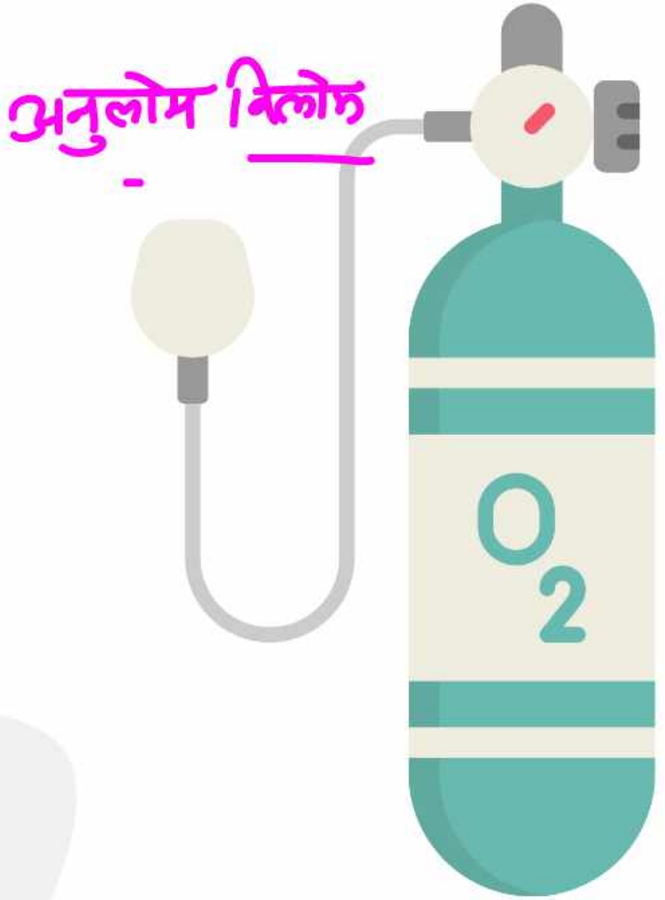

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (IPF)

अन्य उपचार

जीवनशैली में बदलाव:

- धूम्रपान छोड़ना, स्वस्थ आहार अपनाना और नियमित व्यायाम करना।
- तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए काउंसलिंग और थेरेपी।

तबला वादक ज़ाकिर हुसैन के बारे में

जन्म और प्रारंभिक जीवन

- ज़ाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था।
- वे प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के बेटे थे।
- उन्होंने छोटी उम्र में ही तबला बजाना शुरू कर दिया था और कम उम्र में अपनी प्रतिभा से पहचान बनाई।

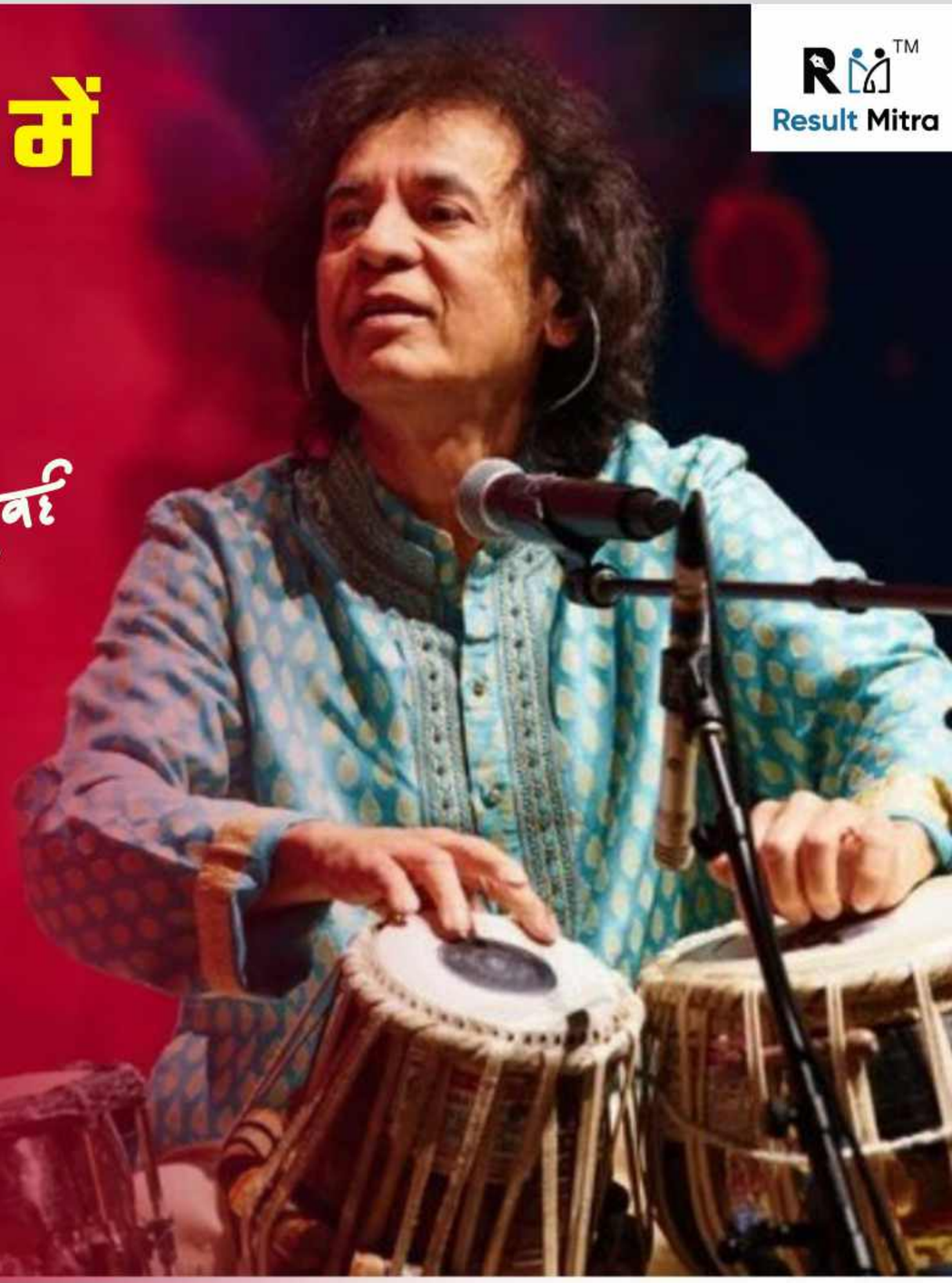

Result Mitra

तबला वादक ज़ाकिर हुसैन के बारे में

संगीत करियर

- वे भारतीय शास्त्रीय संगीत और पश्चिमी संगीत दोनों में माहिर थे।
- कई विश्व प्रसिद्ध संगीतकारों जैसे पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, रवि शंकर और जॉन मैकलॉफलिन के साथ प्रदर्शन किया।
- उन्होंने fusion बैंड 'Shakti' का हिस्सा बनकर भारतीय और पश्चिमी संगीत का संगम प्रस्तुत किया।
- उनके तबले की थाप को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली।

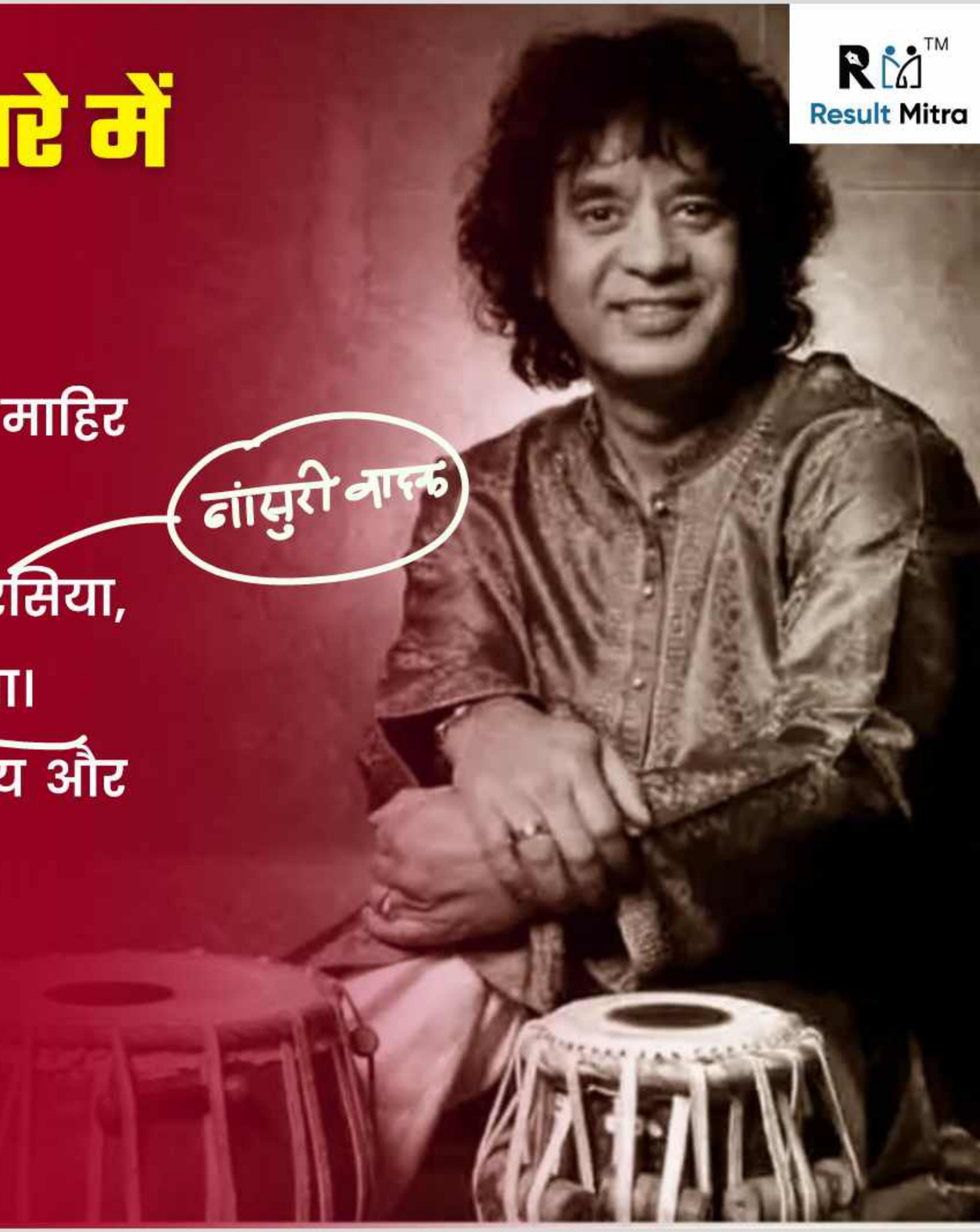

Result Mitra

तबला वादक ज़ाकिर हुसैन के बारे में

पुरस्कार और सम्मान

- उन्हें 1988 में पद्म श्री और 2002 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
- 1992 में ग्रैमी अवॉर्ड जीता और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया।
- उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी मिला।

Result Mitra

तबला वादक ज़ाकिर हुसैन के बारे में

वैश्विक प्रभाव

- वे भारतीय तबला और शास्त्रीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले गए।
- उनकी कला ने तबला को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया।

Result Mitra

तबला वादक ज़ाकिर हुसैन के बारे में

यादगार व्यक्तित्व

- वे न केवल एक संगीतकार थे, बल्कि भारतीय संस्कृति और संगीत के एक अमूल्य प्रतिनिधि भी थे।
- उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

UPSC Syllabus Relevance:

- मुख्य परीक्षा जीएस पेपर 1: भारतीय समाज

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

चर्चा में क्यों

तनखैया क्या है?

- अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में बुधवार को पंजाब के पूर्व डिप्टी CM सुखबीर सिंह बादल पर खालिस्तानी आतंकी ने फायरिंग की। सुखबीर बादल गोल्डन टेंपल के गेट पर सेवादार बनकर बैठे थे। डेरा सच्चा सौदा के मुखी राम रहीम को माफी देने को लेकर सिखों की सर्वोच्च अदालत अकाल तख्त ने उन्हें यह सजा दी है।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

सुखबीर सिंह बादल को क्यों मिली सजा ?

- वर्ष 2007 से लेकर अगले 10 वर्षों तक सुखबीर सिंह बादल व साथी पूर्व मंत्रियों ने कई काम ऐसे किए जिन्हें धार्मिक तौर पर अनुचित माना गया है।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

सुखबीर सिंह बादल को क्यों मिली सजा ?

- सुखबीर सिंह बादल को अगस्त में तनखैया घोषित किया गया था। पंजाब में 2007 और 2017 के मध्य उनकी पार्टी द्वारा गलतियों के लिए धार्मिक कदाचार का दोषी मानते हुए श्री अकाल तख्त ने उन्हें तनखैया घोषित कर दिया था।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

सिख धर्म और तनखैया क्या है?

- तनखैया होना सिख धर्म में सबसे बड़ा अभिशाप माना जाता है. कारण ऐसा होने पर धर्म और समाज उस व्यक्ति को सजा पूरी करने तक बहिष्कृत कर देता है

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

सिख धर्म और तनखैया क्या है?

- सजा के दौरान बादल सहित कई नेताओं को गुरुद्वारे में वॉशरूम साफ करने होंगे, झाड़ू लगानी होगी, बर्तन साफ करने होंगे. यहीं नहीं सजा के दौरान उन्हें गले में तख्ती भी लटकाकर रखनी होगी.

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

सिख धर्म और तनखैया क्या है?

- श्री अकाल तख्त साहिब ने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत नेता प्रकाश सिंह बादल को दिया फख-ए-कौम सम्मान वापस लेने का भी ऐलान किया है. दिसंबर 2011 में उन्हें ये सम्मान दिया गया था. फल-ए-कौम सम्मान सिख धर्म की सेवा करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

किन लोगों को किया जा चुका है तनखैया घोषित

- शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह काफी थार्मिक प्रवृत्ति के थे. एक बार उन्हें मोरा नाम की एक मुसलमान स्त्री मिली. उसने महाराज से विनती की कि वह उसके घर किसी दिन आएं, महाराज स्त्री की विनती को दरकिनार न कर सके और उसके घर चले गए. इस कारण से उन्हें तनखैया करार दिया गया और सजा के तौर पर उस समय के श्री अकाल तख्त साहिब के तत्कालीन जत्थेदार फूला सिंह ने महाराज की पीठ पर कोड़े मारे और हर्जाना लिया. तब जाकर महाराज की माफी मिली थी.

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

किन लोगों को किया जा चुका है तनखैया घोषित

- अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल से पहले कई नेताओं को अकाल तख्त ने तनखैया घोषित किया। इनमें पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह और बूटा सिंह, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला और कैएन अमरिंदर सिंह भी शामिल हैं। 1984 में गोल्डन टेंपल से आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

किन लोगों को किया जा चुका है तनखैया घोषित

- इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह और केंद्रीय मंत्री को तनखैया घोषित किया गया। ज्ञानी जैल सिंह को लिखित माफी मांगने पर माफ कर दिया गया, मगर बूटा सिंह को तख्त ने समाज से बेदखल कर दिया। ऑपरेशन ब्लू स्टार के 10 साल बाद बूटा सिंह अकाल तख्त के सामने पेश हुए और माफी मांगी थी। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद बाबा संता सिंह ने अकाल तख्त की मरम्मत की थी, वह भी डेढ़ दशक तक तनखैया बने रहे। संता सिंह को दो दशक बाद माफी मिली थी।

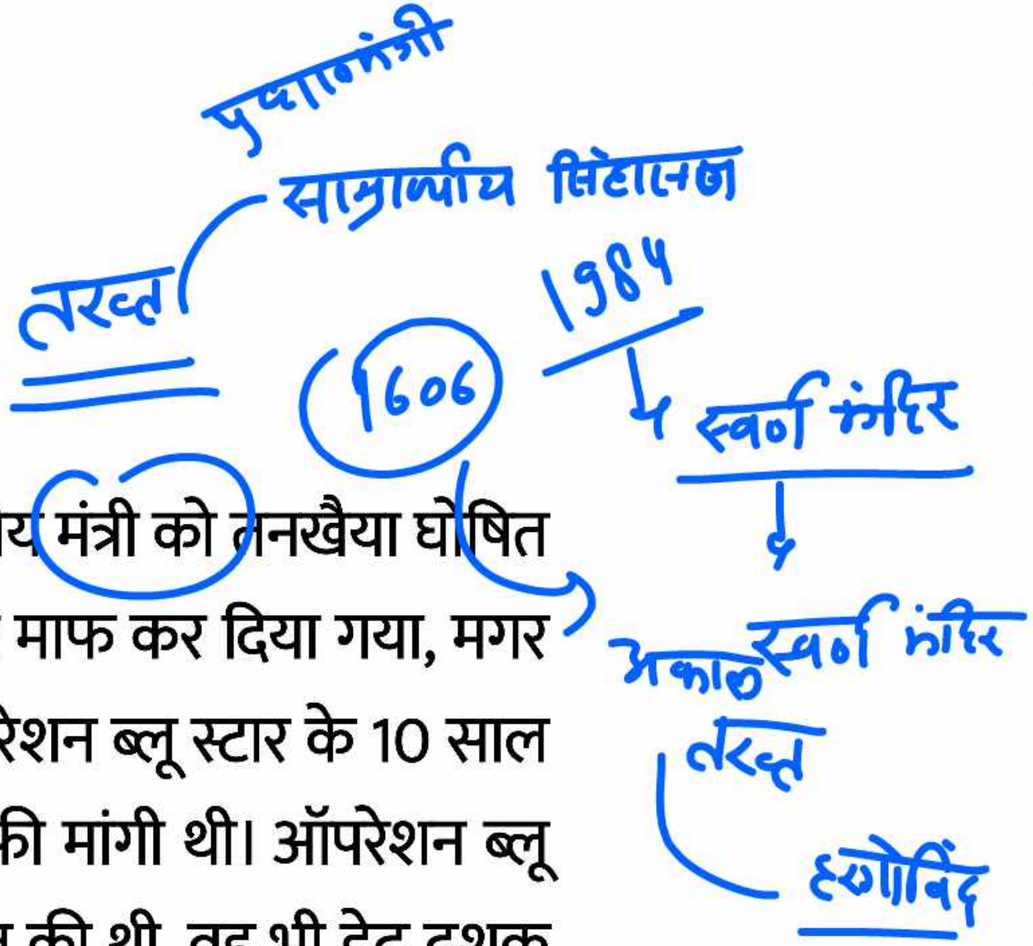

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

तख्त (Takht) का संकल्पना:

तख्त का अर्थ:

- "तख्त" एक फारसी शब्द है, जिसका अर्थ है "साम्राज्यीय सिंहासन।"
- वर्तमान में, सिख पांच स्थानों को तख्त के रूप में पहचानते हैं।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

तख्त (Takht) का संकल्पना:

इनमें से तीन तख्त पंजाब में हैं:

1. अकाल तख्त (अमृतसर)
2. तख्त केसगढ़ साहिब (आनंदपुर साहिब)
3. तख्त दमदमा साहिब (तालवंडी सबो)

- दो अन्य तख्त बिहार में तख्त पटना साहिब और महाराष्ट्र में तख्त हजूर साहिब (नांदेड़) हैं।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

अकाल तख्त:

- अकाल तख्त (अकाल तख्त - "अमर एक का सिंहासन") सबसे पुराना और सर्वोच्च तख्त है।
- इसे 1606 में गुरु हरगोबिंद ने स्थापित किया था।
- गुरु हरगोबिंद का गुरु के रूप में छठे गुरु के रूप में उत्तराधिकार गुरु अर्जन देव की शहादत के बाद सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

अकाल तख्त:

- अकाल तख्त, जो हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) के पास एक ऊंचे मंच के रूप में स्थापित किया गया था, ने सिख समुदाय की राजनैतिक सत्ता (मिरी) और धार्मिक सत्ता (पिरी) के एकत्र होने का प्रतीक प्रस्तुत किया।
- इसे सिख राष्ट्रीयता का पहला प्रतीक माना जाता है।
- आज अकाल तख्त पांच मंजिला इमारत है, जिसमें पहले तल पर गुरु ग्रंथ साहिब रखा जाता है।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

अन्य तख्त:

- अन्य चार तख्त गुरु गोबिंद सिंह, दसवें गुरु से जुड़े हुए हैं।
- केसगढ़ साहिब वह स्थान है जहां गुरु गोबिंद सिंह ने 1699 में खालसा, सिख योद्धाओं को तैयार किया था।
- पटना साहिब गुरु गोबिंद सिंह का जन्मस्थान है।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

अन्य तख्त:

- गुरु गोबिंद सिंह ने कई महीने दमदमा साहिब में बिताए और अपने अंतिम दिन हजूर साहिब में बिताए, जहां 1708 में उनका शव संस्कार किया गया।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

दमदमा साहिब:

- दमदमा साहिब को 1966 में शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) द्वारा एक तख्त के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। यह पंजाब के पुनर्गठन के बाद हुआ था।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

तख्तों की भूमिका:

- तख्तों से समय-समय पर समुदाय के मुद्दों पर हुकमनामा जारी किए जाते हैं।
- अकाल तख्त सर्वोच्च है क्योंकि यह सबसे पुराना है और इसे स्वयं एक सिख गुरु द्वारा स्थापित किया गया था।
- समुदाय से संबंधित कोई भी आदेश केवल अकाल तख्त से ही जारी किया जाता है।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

तख्तों की भूमिका:

आरोप

- अकाल तख्त से उन सिखों को धार्मिक दंड (टंढैया घोषित) या बहिष्कृत किया जाता है, जो सिख धर्म और आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं।
- इतिहासकारों के अनुसार, पहला हुकमनामा गुरु हरगोबिंद ने अकाल तख्त से जारी किया था।

Result Mitra

आस्था से परे अकाल तख्त और अकाली दल

तख्तों की भूमिका:

- गुरु गोबिंद सिंह द्वारा जारी किए गए आदेश का एक मुहर दमदमा साहिब में संरक्षित है।
- आजकल, अकाल तख्त के जत्थेदार समुदाय के लिए आदेश जारी करते हैं, जो आमतौर पर अकाल तख्त की इमारत की बालकनी से पढ़े जाते हैं, अन्य चार तख्तों के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद।

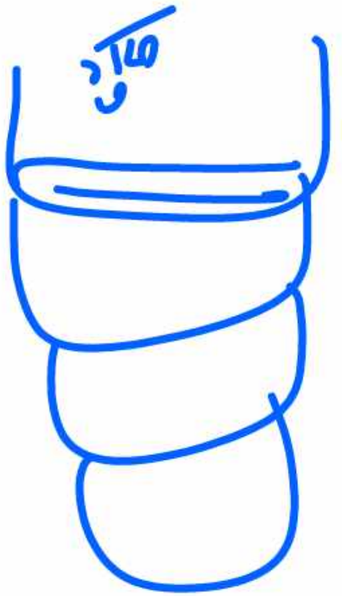

पोलावरम परियोजना

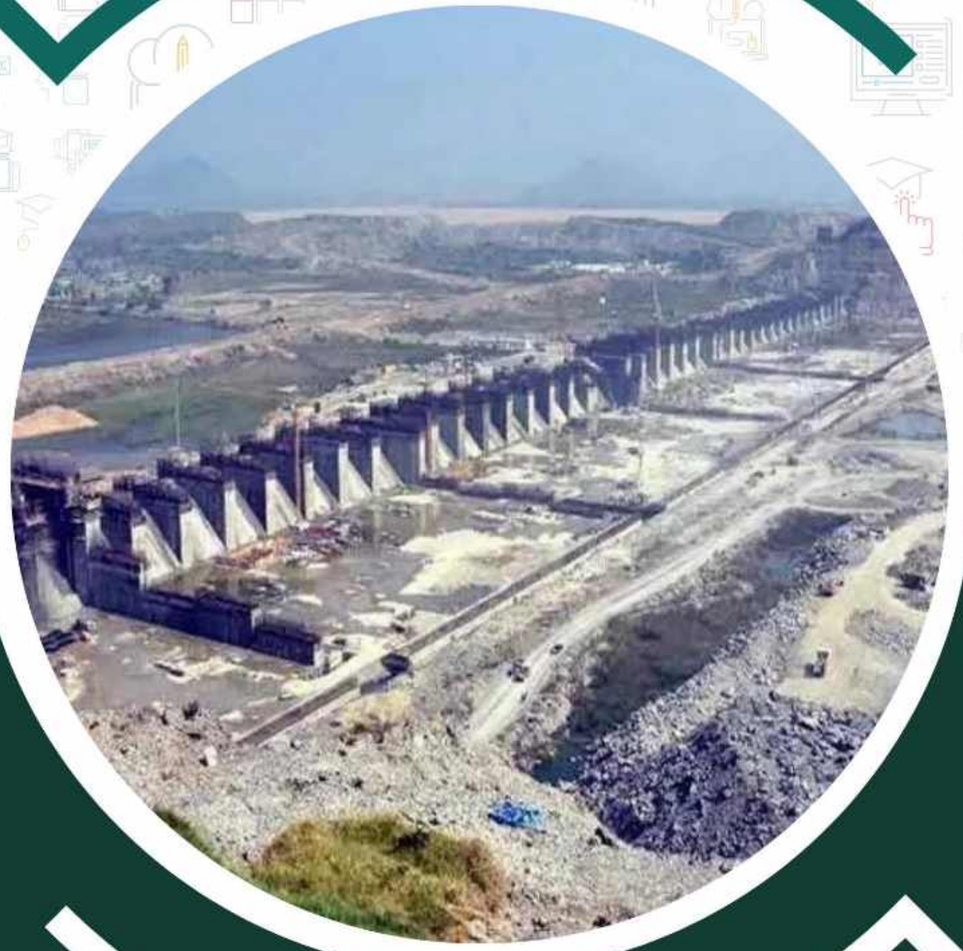

UPSC Syllabus Relevance:

- मुख्य परीक्षा जीएस पेपर 2: शासन: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप तथा उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न मुद्दे, जीएस पेपर 3: योजना, संसाधन जुटाना, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे

Result Mitra

पोलावरम परियोजना

चर्चा में क्यों

- बीजू जनता दल (बीजेडी) ने ओडिशा के मलकानगिरी जिले में आदिवासी समुदायों पर इसके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के कारण पोलावरम बांध परियोजना के प्रति अपना विरोध तेज कर दिया है।

Result Mitra

पोलावरम परियोजना

चर्चा में क्यों

- बीजेडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने कई केंद्रीय निकायों को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें परियोजना के डिजाइन में कथित एकतरफा बदलावों के कारण होने वाले जलमग्न होने के बारे में चिंताओं को उजागर किया गया।

Result Mitra

पोलावरम परियोजना

मुख्य बिंदु

- बीजेडी के एक प्रतिनिधिमंडल ने कई केंद्रीय निकायों को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें परियोजना के डिजाइन में कथित एकतरफा बदलावों के कारण होने वाले जलमग्न होने के बारे में चिंताओं को उजागर किया गया।

पोलावरम परियोजना के बारे में

- प्रकार: निर्माणाधीन बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना।
- स्थान: आंध्र प्रदेश के एलुरु और पूर्वी गोदावरी जिलों में गोदावरी नदी।
- राष्ट्रीय दर्जा: भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय परियोजना के रूप में मान्यता प्राप्त।

Result Mitra

पोलावरम परियोजना के बारे में

उद्देश्य

4.368 लाख हेक्टेयर

सिंचाई विकास:

- पूर्वी गोदावरी, विशाखापत्तनम, पश्चिम गोदावरी और कृष्णा जिलों में सेवा प्रदान करता है।
- अंतिम सिंचाई क्षमता 4.368 लाख हेक्टेयर।

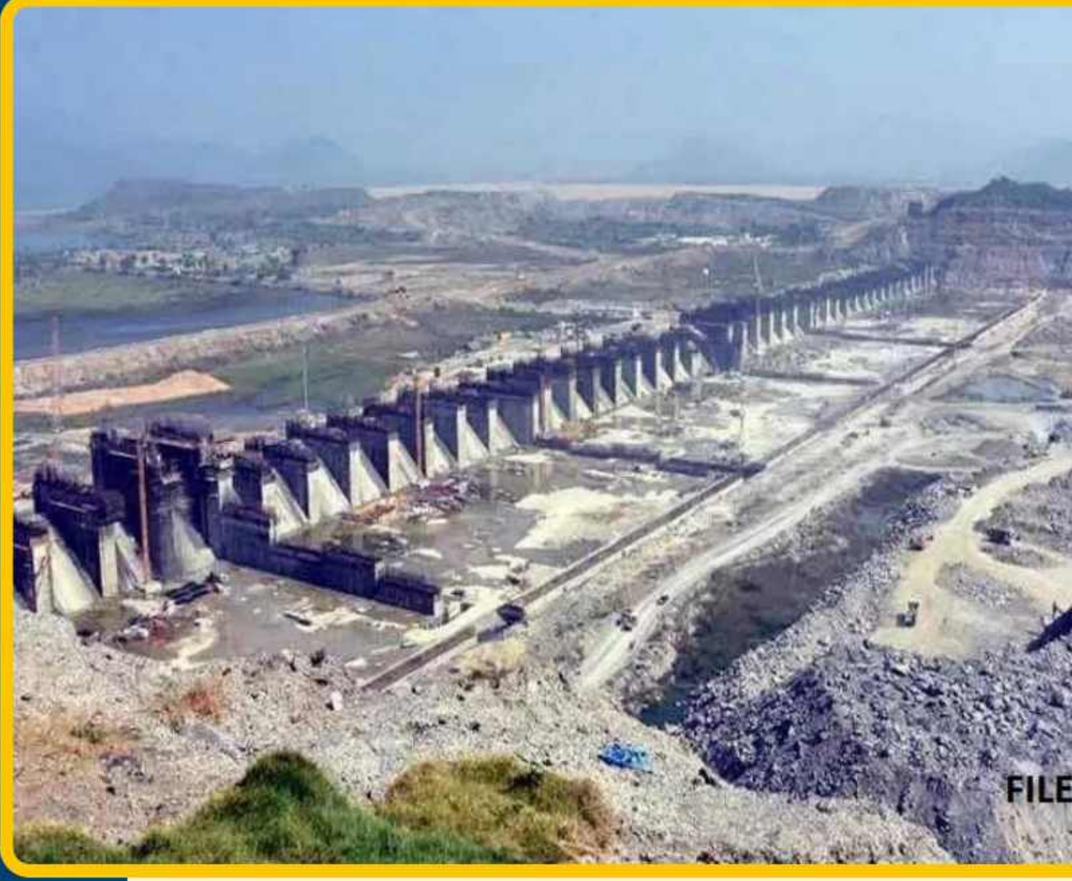

Result Mitra

पोलावरम परियोजना के बारे में

उद्देश्य

960 मेगावाट
611 गांवों
28.50 लाख

जलविद्युत उत्पादन:

- क्षमता 960 मेगावाट।

पेयजल आपूर्ति:

- 611 गांवों में 28.50 लाख लोगों को लक्षित करता है।

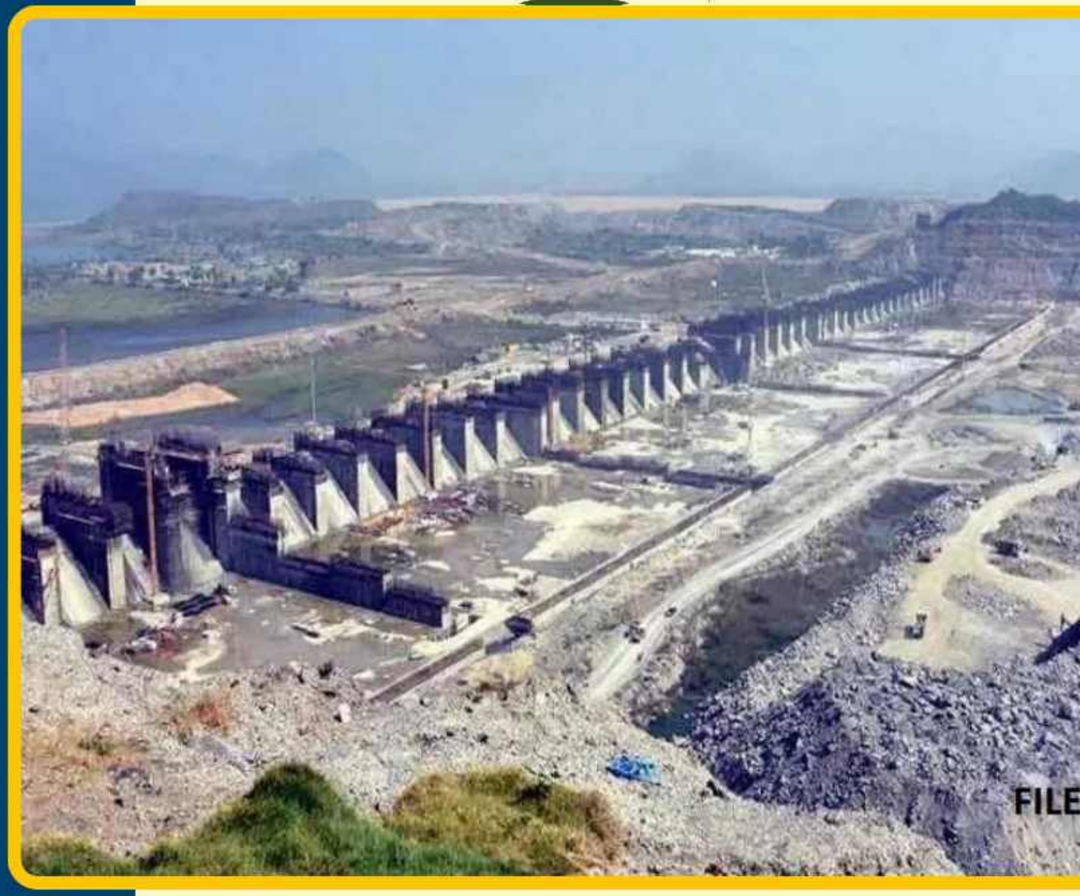

पोलावरम परियोजना के बारे में

उद्देश्य

नदी जोड़ो:

- नदियों को जोड़ने की परियोजना के तहत गोदावरी-कृष्णा लिंक को लागू करता है।
- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र द्वारा साझा उपयोग के लिए कृष्णा नदी में गोदावरी के अधिशेष जल के 80 टीएमसी को स्थानांतरित करता है।

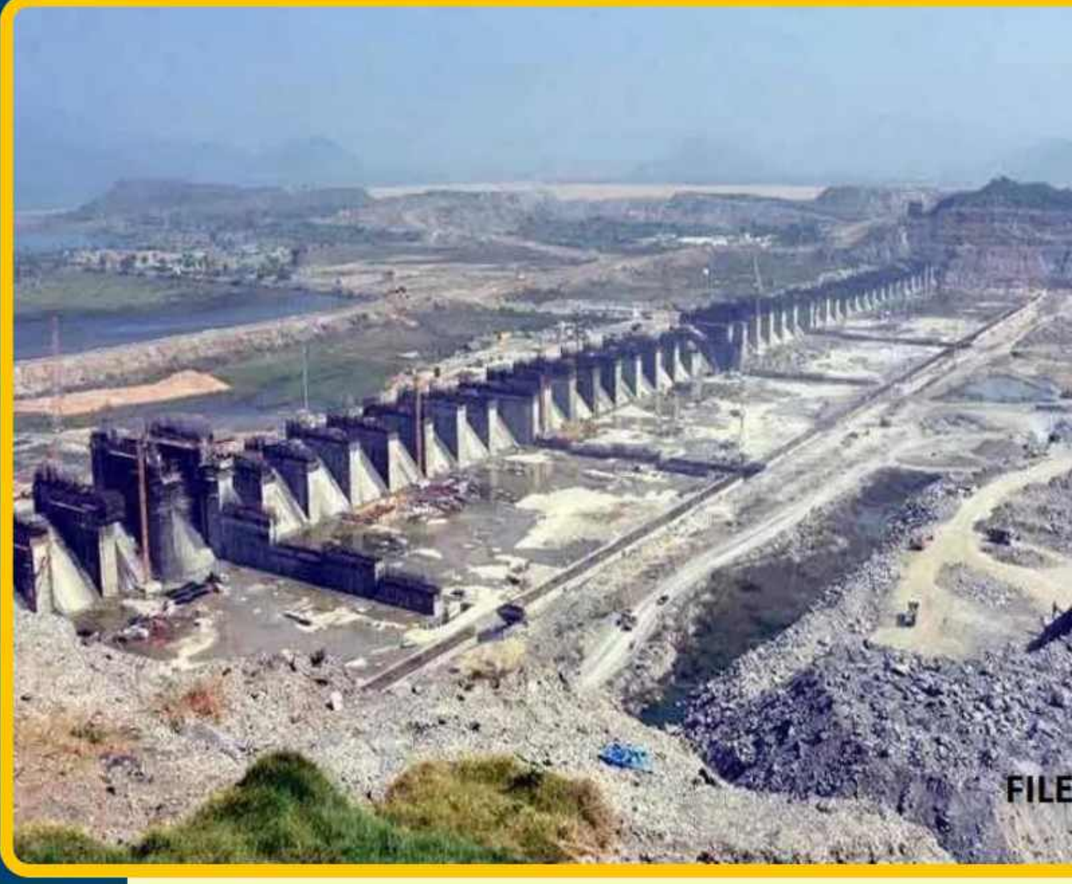

पोलावरम परियोजना के बारे में

ओडिशा द्वारा हाल ही में उठाई गई चिंताएँ

- आदिवासी समुदायों पर प्रभाव: ओडिशा के मलकानगिरी जिले में बस्तियों और कृषि भूमि का जलमग्न होना।
- डिजाइन में बदलाव: उचित पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव आकलन के बिना पोलावरम परियोजना के डिजाइन में एकतरफा बदलाव के आरोप।

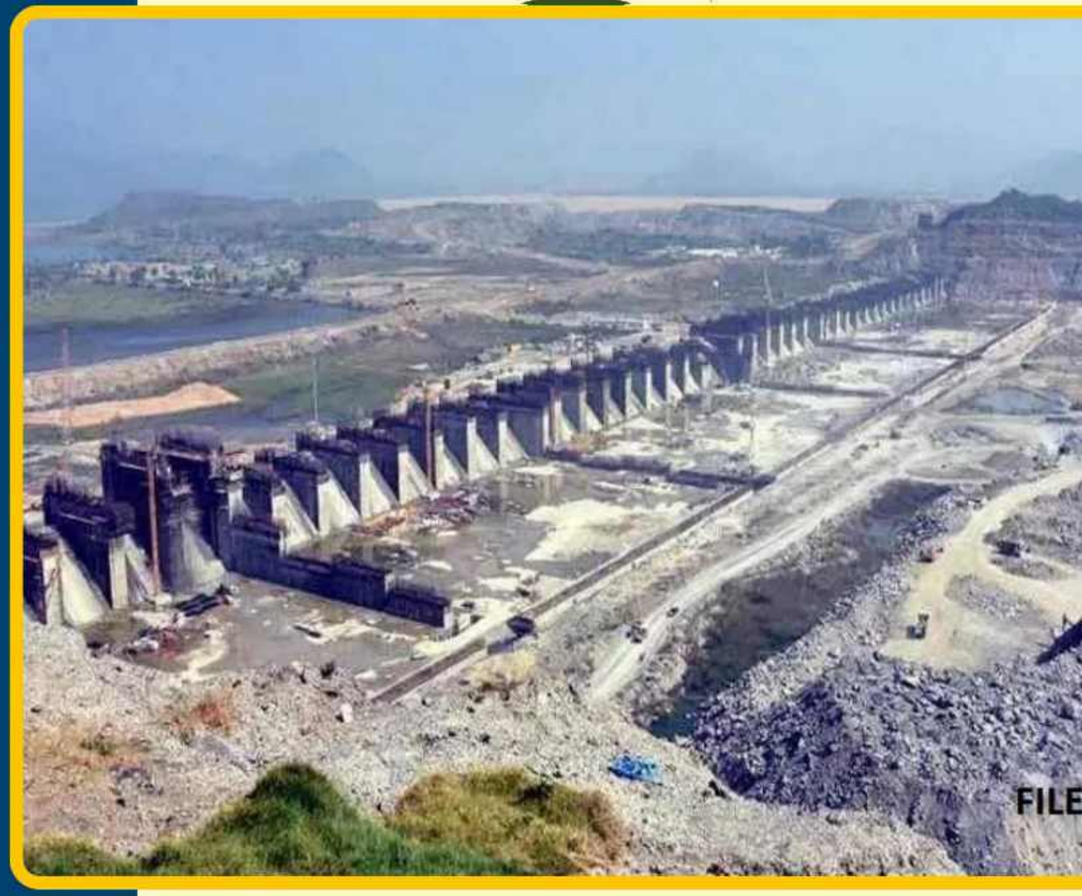

Result Mitra

पोलावरम परियोजना के बारे में

ओडिशा द्वारा हाल ही में उठाई गई चिंताएँ

- पर्यावरण और जनजातीय अधिकार: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय की भागीदारी।

Result Mitra

पोलावरम परियोजना के बारे में

परियोजना का महत्व

- आर्थिक विकास: आंध्र प्रदेश में कृषि उत्पादकता और ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- जल संसाधनों का राष्ट्रीय एकीकरण: दक्षिण भारत में जल वितरण चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पोलावरम परियोजना के बारे में

चुनौतियाँ

- अंतरराज्यीय विवाद: जलमग्नता और न्यायसंगत जल बंटवारे के बारे में ओडिशा और तेलंगाना की चिंताएँ।
- पर्यावरणीय प्रभाव: वन क्षेत्र का नुकसान और आदिवासी समुदायों का विस्थापन।
- पुनर्वास के मुद्दे: प्रभावित आबादी के पुनर्वास और पुनर्वास का लंबित समाधान।

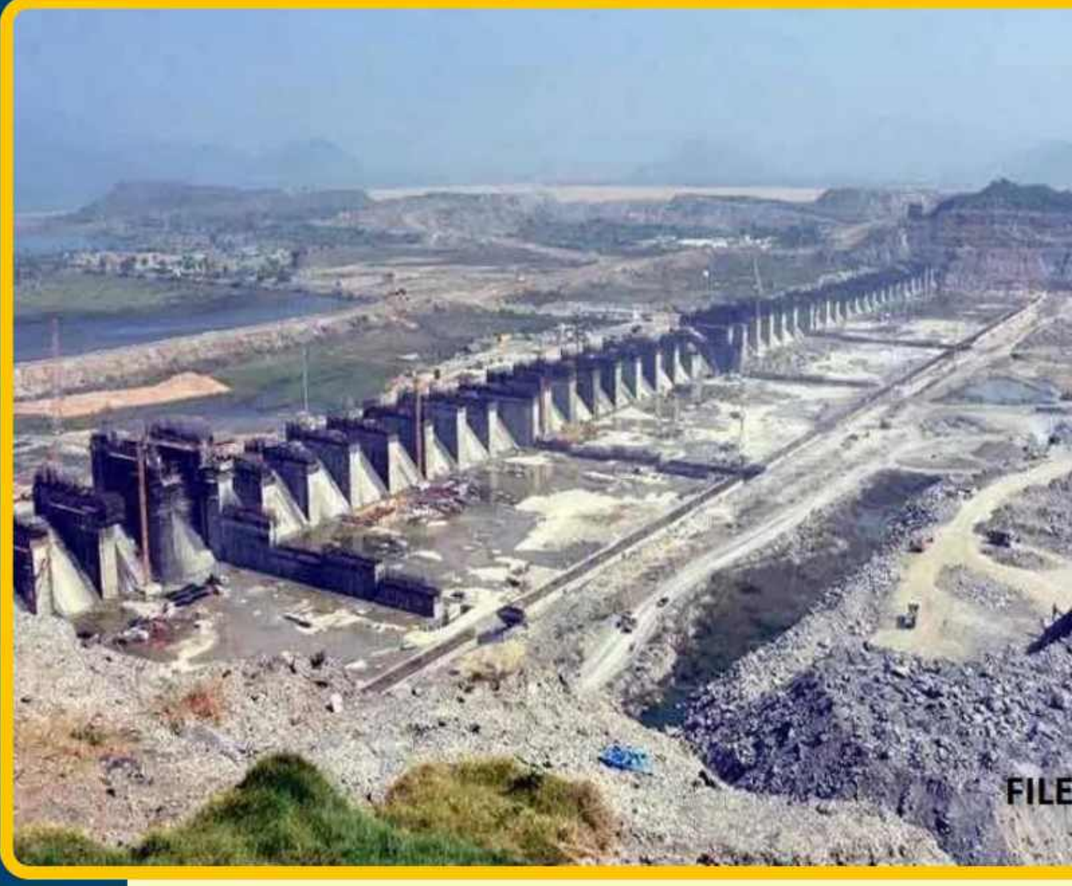

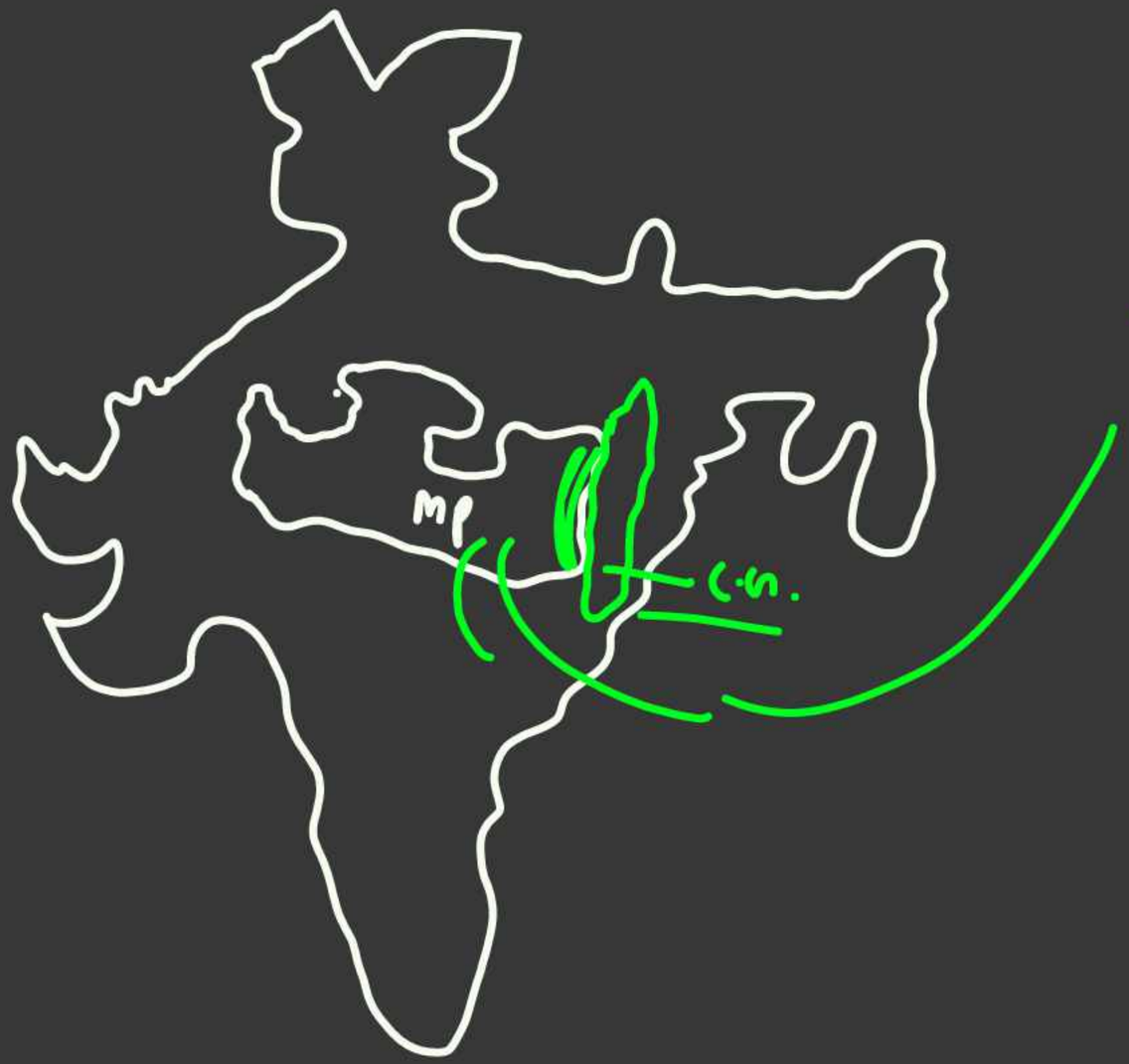

प्रभावित कर देगा |

↓

म.प्र./ छत्तीसगढ़

Result Mitra

Thank You